प्रश्न: सेक्युलर का क्या मतलब है?

सेक्युलर का मतलब है धर्म के बाबत कोई दख़ल ना करना, सेक्युलर का मतलब यह नहीं है की कोई धर्म के प्रति भेदभाव ना करना, सेक्युलर शब्द राजनीतिज्ञ के लिए बना है, क्योंकि एक साइड सिस्टम है और दूसरी साइड सारे धर्म है, हम यह कह सकते है की दूसरी तरफ़ विविधता है, परमात्मा की बनायी हुयी विविधता, कही पे पहाड़ है तो कही पे समतल ज़मीन, कही पर हरियाली है तो कही पर सूखा रेगिस्तान, विविध तरह के लोग है धरती पर,,, हिंदू, मुसलमान, सिख वगेरह, सिस्टम देश को चलाने के लिए है किसी व्यक्ति को चलाने के लिए नहीं, अगर सेक्यूलरिसम को लागू करना है तो हमें यह भी पता होना चाहिए की धर्म क्या है, धर्म का मतलब यह नहीं है की तुम मंदिर जाते हो तो हिंदू हो, और चर्च जाते हो तो इसाई हो, धर्म का मतलब है की जिस मार्ग से परमात्मा की तरफ़ जाया जाए वह धर्म है, जो रास्ता परमात्मा की तरफ़ जाता हो वह धर्म है, इस दुनिया में जितने लोग है उतने धर्म है,

प्रश्न: तो हिंदू और इसाई वग़ैरह धर्म नहीं है? अगर लोगों का समूह इसाई धर्म को फ़ॉलो कर रहे है तो क्या वो ग़लत कर रहे है?

किसी को तुम हिंदू और इसाई क्यों कहते हो? हिंदू का मतलब है राम को मानने वाला, और इसाई का मतलब है जीसस को मानने वाला,,, या कोई हिंदू तब है जब वो ब्रम्हा के बतायें हुए रास्ते पे चलता हो, राम पहले है और हिंदू शब्द बादमे है, जीसस पहले है और इसाई शब्द बादमे है, पर लोग राम को भूल गए है और हिंदू शब्द पकड़ लिए है, हमें राम के प्रति भाव होना चाहिए हिंदू होने के लिए नहीं, क्योंकि राम ने चाहा तब हम हिंदू हुए, तो हिंदू शब्द को छोड़ो और राम की तरफ़ जाने के लिए संकल्प ले, मुसलमान शब्द को छोड़ो और अल्लाह की तरफ़ जाने के लिए संकल्प ले, अगर कोई मुसलमान कोई और धर्म के प्रति घृणा भाव रखता है तो उनसे अल्लाह का अपमान होता है, क्योंकि वो व्यक्ति अल्लाह को छोटा कर रहा है, क्योंकि इसका मतलब है की अल्लाह ने सिर्फ़ मुसलमान को ही बनाया है, यह बात हिंदू के लिए भी और है इसाई के लिए भी है, सभी धर्मों के लिए है, उनसे वो अपने भगवान को छोटा कर रहे है, इसलिए अगर व्यक्ति छोटा है तो उनका भगवान कैसे बड़ा हो सकता है, इस बात से परमात्मा को कोई फ़र्क़ नहीं पड़ता, पर जो परमात्मा ने जीवन रूपी अवसर दिया है, जिस अवसर से परमात्मा को पाया जा सकता है, वह अवसर को राम, जीसस और अल्लाह को भूलकर तुम खो रहे हो, तुम ने जितनी ज़ोर से हिंदू, मुसलमान और इसाई शब्द को पकड़ा है वह ज़ोर राम, अल्लाह और जीसस के तरफ़ शिफ़्ट करो, जो लोग अपने को हिंदू समजते है वो अपना ज़ोर राम की तरफ़, मुसलमान अल्लाह की तरफ़ और इसाई जीसस की तरफ़ शिफ़्ट करे, जब तुम अपने भगवान को जानोगे तब तुम्हें पता चलेगा की विविधता परमात्मा का रूप ही है, पहाड़ भी सत्य है, रेगिस्तान भी सत्य है, हिंदू भी सत्य है, मुसलमान भी सत्य है और इसाई भी सत्य है, जो भी उनका बनाया हुवा है वो सारा सत्य है, तब तुम्हारा सिर हिंदू की तरफ़ भी जूकेगा, मुसलमान की तरफ भी जूकेगा और इसाई की तरफ़ भी जूकेगा, क्योंकि फिर सब तरफ़ परमात्मा ही है, तुम जिस धर्म में पेदा हुवे हो वही तुम्हारा धर्म है और उस रास्ते से ही परमात्मा को पाया जा सकता है, जैसे की भगवान बुद्ध हिंदू राजा के घर पेदा हुवे पर उन्होंने सत्य

को सम्यक् के रूप में जाना, जीवन में जो भी हो सम्यक् रूप से हो तो वो सत्य है, उन्होंने परमात्मा जो सम्यक् शब्द दिया, महावीर ने अहिंसा नाम दिया, महावीर ने परमात्मा को अहिंसा से जाना, मीरा ने परमात्मा को नृत्य से जाना, तो वैसे ही हिंदू, मुसलमान, और इसाई घर में कई लोग पेदा होते है, और वो सारे लोगों का समूह अपने अपने धर्म को फ़ॉलो कर रहे है, जब भी किसी को अपने धर्म का पालन करते हुवे परमात्मा को जान लेते है तो सब लोगों में परमात्मा का प्रगटीकरण का ढंग अलग अलग होता है, मेने आपको जो बात कही की जितने लोग है उतने धर्म है यह बात अंतिम चरण के लिए की, क्योंकि जब कोई परमात्मा को जान लेता है तो उनके सामने एक रास्ता प्रगट होता है जिस मार्ग से उन्होंने परमात्मा को पाया, जिस मार्ग से परमात्मा का अविर्भाव हुवा, बाद में वैसे बुद्ध पुरुष वही रास्ता लोगों को बताते है की इस मार्ग से परमात्मा को पाया जा सकता है, और लोग अपनी श्रद्धा से उस रास्ते का अनुसरण करते है, और लोग उस रास्ते को धर्म कहते है, जैसे भगवान बुद्ध को मानने वाले या श्रद्धा रखने वाले को हम बुद्ध कहते है, भगवान महावीर को मानने वाले को हम जैन कहते है,

….तो समय की माँग के अनुसार परमात्मा अलग अलग रूप में प्रगट होते है, अगर हम हिंदू या इसाई घर में पेदा हुवे है तो हमें उसी रास्ते से अपने भगवान को पाना है, ऐसा नहीं है की तुम इसाई घर में पेदा हुवे इसलिए जीसस पर तुम्हारा जन्मसिद्ध अधिकार है, या जीसस तुम्हारे सामने प्रगट हो जाएँगे और कहेंगे की भैय्या आप का बहुत धन्यवाद आपने इसाई घर में जन्मा लिया इसलिए में आपका ग़ुलाम हु ,ऐसा कहके जीसस तुम्हारे सामने प्रगट हो जाएँगे और तुम हेवन में चले जाओगे, जीसस की तरफ़ जाने के लिए आप संकल्प ले तो उनकी कृपा से आप उन्हें जान सकते हो, हो सकता है जीसस आपको ध्यान मार्ग से मिल जाए और आप आप ख़ुद एक चर्च हो जाओ जहाँ हमेशा जीसस उपलब्ध रहते हो, हेवन तुम्हारे अंदर समा जाए, हो सकता है जीसस आपके अंदर संगीत के रूप में पेदा हो, नृत्य के रूप में पेदा हो, कविता के रूप में पेदा हो, जीसस का परागट्य भक्ति मार्ग से हो,,,, यह बात वही जानते है,,,,, आपके लिए कोन सा रास्ता सम्यक् है, how can you reach the destination since the way is not manifested. अगर रास्ते का पता होता तो आप कहते i will do it when i will retire. तब आप एक रोबोट तय्यार कर लेते और आपका रास्ता रोबोट के अंदर प्रोग्राम कर लेते और आपके बदले रोबोट आपका काम कर लेता, और आप जीसस को जान लेते, you must have to put your intellect aside and be like a child, there is a only way to seat on Jesus’s lap.

Aasthit